सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 331 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

किसी आदमी का असली चरित्र तब सामने आता है जब वो नशे में होता है।
-चार्ली चैपलिन

योगी सरकार की लाठियों से नहीं... 8 | यूपी चुनाव: 52 लाख नए वोटर... 3 | ग्रैंड फिनाले स्टेज पर प्रतिभागियों... 7

चुनाव से पहले परशुराम पर सियासत विपक्ष ने भाजपा पर बोला हमला

विकास के नाम पर कुछ बताने को नहीं भाजपा के पास

आस्था के नाम पर किये गये जमीन घोटाले

झांसे में नहीं आने वाले हैं ब्राह्मण, सिखाएंगे सबक

» प्रदेश में हुए ब्राह्मणों के उत्पीड़न पर पर्दा डालना चाहती है भाजपा

» उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने किया मूर्ति का अनावरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत में अब भगवान परशुराम की एंट्री हो गयी है। नाराज ब्राह्मणों को अपने पाले में करने के लिए भाजपा ने आज भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण कर ब्राह्मण समाज को संदेश देने की कोशिश की। वहीं विपक्ष ने इस मामले पर भाजपा पर जमकर हमला बोला। विपक्ष ने कहा कि भगवान परशुराम की प्रतिमा लगाकर भाजपा योगी राज में ब्राह्मणों पर किए गए अत्याचारों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है लेकिन ब्राह्मण समाज अब इसके झांसे में नहीं आने वाला है। भाजपा के पास विकास के नाम पर बताने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह इस प्रकार की सियासत कर रही है।

भगवान राम के बाद इस बार भगवान परशुराम पर सियासत तेज हो गयी है। सपा के बाद भाजपा ने भी भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण किया है। दरअसल, भाजपा ने प्रतिमा का अनावरण इसलिए किया कि ब्राह्मण उससे नाराज हैं और इसका खामियाजा चुनाव में उसे उठाना पड़ सकता है। कई दिग्गज ब्राह्मण नेताओं के सपा में चले जाने को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व बेचैन है। पिछले दिनों इसी मुद्दे पर भाजपा के ब्राह्मण नेता और मंत्रियों की दिल्ली में बैठक हुई थी। बैठक में ब्राह्मणों की नाराजगी का मामला उठाया गया था। लिहाजा डैमेज कंट्रोल के लिए भाजपा ने भगवान परशुराम का सहारा लिया है। भाजपा ने लखनऊ के सहसोवीर मंदिर में भगवान परशुराम की 11 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की है। यह प्रतिमा भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने बनवाई है। इसका अनावरण उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने किया। इस मौके पर कानून मंत्री बृजेश पाठक, रीता बहुगुणा जोशी आदि मौजूद रहे।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

क्यों अहम हैं ब्राह्मण

प्रदेश में ब्राह्मण समाज की आबादी 11 से 12 फीसदी तक है। ऐसे में सपा और भाजपा दोनों इस वर्ग को साधने की कोशिश में जुटी हैं। 2007 में मायावती की सोशल इंजीनियरिंग, 2012 में अखिलेश यादव को मिली सफलता और 2017 में भाजपा के पूर्ण बहुमत में आने के पीछे ब्राह्मण समाज की अहम भूमिका बताई जाती रही है।

“सिर्फ मूर्तियां लगवाने से आज तक किसी जाति का सम्मान नहीं बढ़ा। बेहतर हो कि महापुरुषों के नाम पर अस्पताल और स्कूल खोले जाएं। भाजपा का यह ब्राह्मण प्रेम हास्यास्पद है। डेढ़ साल से जेल में बंद निर्दोष खुशी दुबे और चार अन्य ब्राह्मण महिलाओं के साथ अपराधी जैसा बर्ताव भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता आप

“योगी राज में ब्राह्मणों पर हुए अत्याचार पर भाजपा पर्दा डालने की कोशिश कर रही है लेकिन मूर्ति से अत्याचारों को ढंका नहीं जा सकता। जिन लोगों ने आस्था के नाम पर जमीन घोटाले किए उन्हें न तो भगवान राम माफ करेंगे न भगवान परशुराम।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

“जब चुनाव आया है तब भाजपा को ब्राह्मणों की याद आ रही है लेकिन जब प्रदेश में ब्राह्मणों के पूरे परिवार के परिवार जिंदा जला दिए गए उस समय भाजपा के नेता कहीं नहीं दिखे। ब्राह्मण समाज भाजपा के झांसे में आने वाला नहीं है। चुनाव में वह भाजपा को सबक सिखाएगा।

अंशू अवस्थी, डिजिटल मीडिया इंचार्ज, यूपी कांग्रेस

“भाजपा लोगों को लड़ाकर सत्ता पाना चाहती है। इनके पास विकास के नाम पर बताने के लिए कुछ नहीं है लिहाजा वे विभाजनकारी सियासत कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है और चुनाव में इनको सबक सिखाएगी।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

कोरोना से कोहराम, चौबीस घंटे में संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख के पार

» सात महीने का रिकॉर्ड टूटा, 302 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमाम पाबंदियों के बावजूद देश में कोरोना बेकाबू होता जा रहा है। बीते चौबीस घंटे में संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंच चुका है। वहीं तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हुई है। इन केसों ने पिछले सात महीने का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे में कोरोना के एक लाख 17 हजार एक सौ मामले सामने आए हैं जो कि पिछले सात महीनों में सबसे अधिक है। इससे पहले छह जून 2021 में एक लाख मामले सामने आए थे। वहीं इस दौरान 302 लोगों की मौत भी हो गई। 30,836 लोग स्वस्थ भी हुए है लेकिन चिंता की बात यह है कि मरीज बढ़ते जा रहे हैं।

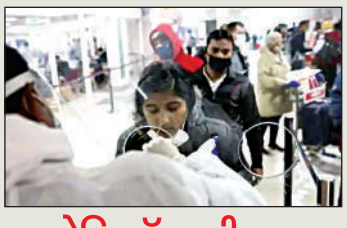

ओमिक्रॉन भी बढ़ा

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में ओमिक्रॉन के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 3,007 हो गई है। 876 मामलों के साथ महाराष्ट्र जहां टॉप पर बना हुआ है वहीं 465 मरीजों के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है। ओमिक्रॉन के 3,007 मरीजों में से 1,199 मरीज डिस्चार्ज हो गए हैं।

पीएम की सुरक्षा में चूक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त हाई कोर्ट को रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आदेश

» पंजाब सरकार, पुलिस और एसपीजी से जानकारी उपलब्ध कराने को कहा

» सोमवार को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा में चूक मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि पीएम की सुरक्षा को लेकर हम गंभीर हैं, राज्य और केंद्र अपनी कमेटी पर खुद से विचार करें। कोर्ट ने पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार को रिकॉर्ड सुरक्षित करने के आदेश दिए गए हैं। कोर्ट ने पंजाब सरकार, पुलिस व एसपीजी से रजिस्ट्रार जनरल को जरूरी जानकारी देने को कहा। मामले की सुनवाई सोमवार को फिर होगी।

वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक का मामला मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन्ना की बेंच के सामने उठाया था। सीजेआई ने कहा कि राज्य और केंद्र ने कमेटी बनाई हैं, क्यों ना दोनों को जांच करने दी जाए। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार की कमेटी सिर्फ सुरक्षा में चूक की जांच कर रही है। यह बेहद गंभीर मामला है।

केंद्रीय टीम फिरोजपुर पहुंची, पंजाब सरकार ने भेजी अपनी रिपोर्ट

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले की जांच करने तीन सदस्यीय केंद्रीय कमेटी पंजाब के फिरोजपुर पहुंच चुकी है। जांच कमेटी फिरोजपुर-मोगा राजमार्ग पर पहुंची। उस स्थान का मुआयना भी किया, जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला फ्लाईओवर पर फंसा गया था। कैबिनेट सचिवालय सचिव (सुरक्षा) सुधीर कुमार सक्सेना, आईबी संयुक्त निदेशक बलबीर सिंह, एसपीजी महानिरीक्षक एस सुरेश जांच कमेटी के सदस्य हैं। उधर, पंजाब सरकार ने भी इस मामले में एक रिपोर्ट केंद्र को भेजी है। पंजाब के मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी ने केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपी है।

अपराधियों का साथ नहीं देती बीजेपी : स्वतंत्र देव सिंह

» राजनीति में पढ़े लिखे लोग आने चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्ताधारी दल भाजपा लगातार अपनी तैयारियों में लगी हुई है। वह लोगों को बीते पांच सालों में किये गए अपने कामों को गिनाते नहीं थक रही है। चुनावी सिलसिले में ही भाजपा प्रदेश ईकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पहले यूपी में दिन में भी बेटियों को उठा लिया जाता था। लेकिन आज बेटी अपनी मां के साथ रात के 12 बजे भी घर से निकल सकती है। उन्होंने कहा बीजेपी कभी भी अपराधियों का साथ नहीं देती, बल्कि अपराधियों को जेल में डाला जाता है।

उनके इस बयान पर पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह ने तंज कसा। उन्होंने लिखा कि बार-बार ऐसी बातें सुनकर आभास होता है कि राजनीति में भी पढ़े-लिखे लोग ही आने चाहिए। भाजपा नेता स्वतंत्र देव सिंह को लेकर किया गया पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह का यह ट्वीट खूब सुर्खियां बटोर रहा है, साथ ही यूजर भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। नफीस अहमद नाम के यूजर ने पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा इन जैसे लोग ही तो थे

वो। सुरेश शर्मा नाम के यूजर ने पूर्व आईएएस के ट्वीट के जवाब में लिखा देश में कुछ हुआ हो या नहीं, परंतु मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं लोग उनकी तरह झूठ बहुत बोलने लगे हैं। सभी संवैधानिक संस्थाओं के मुखिया ने मोदी के सामने घुटने टेककर उनकी चरण वंदना शुरू कर दी है। भाजपा के सभी नेताओं ने मैजिक चश्मा लगा लिया है। बस सब मजे में बोलते रहते हैं। कुछ भी पता नहीं कि ये चश्मा क्यों नहीं हटा देते। तब ही तो रिएलिटी दिखेगी इनको। साफिया नाम की यूजर ने लिखा दूरबीन से भी ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है, जैसा नेता जी बता रहे हैं।

भ्रष्ट डीएम को मेरे आग्रह पर सीएम योगी ने हटाया : सुरेंद्र सिंह

लखनऊ। बलिया में निर्वतमान जिलाधिकारी अदिती सिंह के ट्रांसफर पर भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह के बिगड़े बोल सामने आए हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है भ्रष्ट और स्वेच्छाचारी महिला को महाराजजी मेरे आग्रह पर हटा दिया। इसका मुद्दा मैंने उठाया था, वहां पर बहुत से नेता मौजूद थे, लेकिन किसी ने नहीं बोला। सिर्फ मैंने शिकायत की थी। उधर, आईएस अफसरों की ट्रांसफर सूची जारी होने के कुछ देर बाद ही बीजेपी एमएलए ने फेसबुक पर लिखा कि बैरिया विधान सभा क्षेत्र की जनता की ओर से योगी आदित्यनाथ का अभिवादन। उन्होंने लिखा है कि आपने मेरे आग्रह को स्वीकार करके भ्रष्ट और स्वेच्छाचारी जिलाधिकारी का स्थानान्तरण कर दिया।

बीजेपी चुनाव हारती है तो इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी : राणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता सियासी गणित के हिसाब से कैसे नियुक्तियां करवा रहे हैं और कैसे ट्रांसफर? इसका साफ इशारा देने वाला एक बीजेपी नेता का पत्र सुर्खियों में आ गया है क्योंकि इसमें कुछ कर्मचारियों के तबादले करवाने की सिफारिश की गई थी, लेकिन अब इन तबादलों पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। छुट्टी के दिन किए गए तबादलों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए हाई कोर्ट के सामने इसके खिलाफ जो आवेदन दिया गया था, उस पर सुनवाई करते हुए फिलहाल इन ट्रांसफरों पर रोक लगा दी गई है और फरियादी पक्ष के वकील का कहना है कि ट्रांसफर के आदेश नियमों के विरुद्ध दिए गए। कुल मिलाकर इस पत्र से राजनीति में भाजपा की किरकिरी होना तय है। बीजेपी नेता मुकेश राणा ने चुनाव आयोग को लिखे एक पत्र में कहा कि हमारी पार्टी यानी बीजेपी चुनाव हारती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी। आयोग पर दबाव बनाते हुए राणा ने उधमसिंह नगर के सहकारी विभाग में कार्यरत अपर्णा वल्दिया, लीला बोरा, विकास शर्मा और गौरव शर्मा के ट्रांसफर करने के लिए 29 नवम्बर को पत्र लिखा था। इस शिकायती पत्र पर सहायक चुनाव अधिकारी ने निर्देश दिए, लेकिन तबादला के आदेश 25 दिसंबर के अवकाश के दिन जारी हुए। अब इन आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती मिली, तो कोर्ट ने ट्रांसफर पर रोक लगा दी और इसे राजनीतिक शिकायत बता दिया।

मोदी की सुरक्षा चूक पर बीजेपी विधायक ने पंजाब सरकार को दी धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर के उठे सवाल के संबंध में भाजपा के स्थानीय नेताओं व जनप्रतिनिधियों की तरफ से लगातार पंजाब की कांग्रेस सरकार का विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में बिठूर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के विधायक अभिजीत सिंह सांगा की तरफ से कई ट्वीट किए गए। जिसमें उन्होंने धमकाने वाले अंदाज में ट्वीट किया है कि इंदिरा गांधी समझने की भूल न करना नरेंद्र दामोदरदास मोदी नाम है लिखने को कागज और पढ़ने को इतिहास नहीं मिलेगा। बताया जा रहा है कि जब उनके इस अंदाज में किए गए ट्वीट को लेकर प्रतिक्रिया होने लगी तो उन्होंने उस ट्वीट को डिलीट कर एक दूसरा ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने सिक्ख समुदाय का पक्ष लेते हुए लिखा कि मेरा एक एक शब्द सिक्खों की हत्यारी उस कांग्रेस के खिलाफ है, जिसने कुर्सी के लिए अपने परिवार को भी न बख्शा और कल वही साजिश प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई। विधायक के ट्वीट पर पंजाब कांग्रेस से जुड़े कई लोगों ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया भी दी है। इस बीच मोदी की सुरक्षा में चूक मानते हुए भाजपाइयों ने दूसरे दिन भी जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

योगी अपनी बिरादरी पर नहीं चलवा रहे बुलडोजर : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे तो घरेलू बिजली का बिल माफ रहेगा। पूरे साल मुफ्त राशन बांटा जाएगा। प्रदेश में एक समान शिक्षा लागू करेंगे। गरीबों का इलाज निशुल्क होगा। पुलिस के लिए बार्डर सीमा समाप्त होगी। सरकार बनने के छह महीने के अंदर जातिगत जनगणना होगी। ये बातें गाजियाबाद के कासिमाबाद में सपा व सुभासपा के तत्वावधान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जहूराबाद के विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कही।

राजभर ने आरोप लगाया कि भाजपा झूठ-फरेब की पार्टी है। नमक में बालू मिलाकर व एक साल का घूना चना गरीबों को बांट रहे हैं। थानों में जाति देखकर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी अपने बिरादरी के लोगों के यहां बुलडोजर नहीं चलवा रहे हैं। रेल से जनरल डिब्बा तक हटवा दिया। जनता सबका हिसाब करेगी। हुंकार भरा कि इस बार भाजपा की पूर्वांचल में बोहनी नहीं होगी। वाराणसी में दक्षिणी व उत्तरी विधान सभा की सींटो पर ममता दीदी को लाकर प्रचार कराऊंगा। वाराणसी में भी भाजपा को हराऊंगा। कहा कि अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनते हैं तो पुलिस 2500 मोबाइल भत्ता, 3000 मोटर साइकिल भत्ता दिया जाएगा, चौकीदारों का भी भत्ता बढ़ाएंगे।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत की सुरक्षा में चूक

» छुरा लेकर मंच पर पहुंचा शख्स, मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है यहां के काशीपुर में एक युवक छुरा लेकर रावत के मंच पर पहुंच गया, इसके बाद कार्यक्रम में अफरा तफरी मच गई। यह मामला ऐसे वक्त पर सामने आया, जब पंजाब में पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक की वजह से पूरे देश में बवाल मचा है। दरअसल, हरीश रावत मुख्य अतिथि के तौर पर एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे।

जनसभा के बाद अचानक उस वक्त अफरा तफरी मच गई, जब एक अधेड़

छुरा लेकर मंच पर चढ़ गया। हालांकि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उसे नीचे उतारा और छुरा अपने कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया। पूर्व सीएम हरीश रावत कांग्रेस के सदस्यता अभियान में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे। जैसे ही हरीश रावत अपना संबोधन खत्म करने के बाद नीचे उतरे एक अधेड़ अचानक मंच पर पहुंच गया और संबोधन स्थल पर पहुंचने के बाद उसने माइक से जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए। वहीं उसकी इस गतिविधि का जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और माइक बंद कर दिया तभी आक्रोशित अधेड़ ने अचानक छुरा निकाल लिया और जय श्री राम नहीं बोलने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मंच पर अफरा तफरी मच गई। इसके बाद कांग्रेस नेता प्रभात साहनी ने अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर युवक को पकड़ लिया और चाकू को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। कांग्रेस का आरोप है कि यह प्रशासन की बड़ी चूक है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी चुनाव में पूरी ताकत झोकेगा संघ

» बैठक के दूसरे दिन हुई विधानसभा चुनावों पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश में अपनी पूरी ताकत झोंकेगा। हैदराबाद में हो रही तीन दिवसीय समन्वय बैठक के दूसरे दिन राजनीतिक सत्र के दौरान राज्यों के विधानसभा चुनाव पर गंभीर मंथन हुआ। इस दौरान संघ के कई अनुषांगिक संगठनों से फीडबैक लिए गए। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष भी मौजूद थे।

संघ सूत्रों के मुताबिक बैठक में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई। इस राज्य के चुनाव नतीजे को भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानते हुए

पूरी ताकत झोंकने का फैसला किया गया है। संघ ने इससे पहले 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब-करीब सारे अनुषांगिक संगठनों को चुनावी मोर्चे पर लगाया था। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक बैठक में एक बार फिर से सभी अनुषांगिक संगठनों को अपने अपने स्तर पर चुनाव में जुटने का निर्देश दिया गया है। चूंकि दो साल बाद संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है। ऐसे में संघ भारतीय राजनीति में भाजपा के वर्तमान प्रभाव को पूरी मजबूती के साथ कायम रखना चाहता है। उक्त अधिकारी के मुताबिक इस महीने के तीसरे हफ्ते से संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठन खासतौर से उत्तर प्रदेश के चुनावी मोर्चे पर डट जाएंगे।

संगठनों से चुनाव के संदर्भ में लिया गया फीडबैक

समन्वय बैठक में शिक्षा पद्धति, सामाजिक सद्भाव, धर्मांतरण, पर्यावरण, स्वास्थ्य सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई है। बैठक में भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विश्व हिंदू परिषद सहित कुछ अन्य अनुषांगिक संगठनों से चुनाव के संदर्भ में फीडबैक लिया गया। इस दौरान चुनौतियों और मुश्किलों पर भी चर्चा हुई। अनुषांगिक संगठनों ने चुनौतियों से निपटने संबंधी राय भी ली गई। खासतौर से किसान संघ को कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसानों के बीच पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

यूपी चुनाव : 52 लाख नए वोटर चुनेंगे अपनी सरकार, लिखेंगे नई पटकथा

» चुनाव आयोग ने सभी 403 विधानसभा सीटों की मतदाता सूची जारी की

» 15 करोड़ 2 लाख 84 हजार कुल मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

» 18 से 19 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 14 लाख 66 हजार से ज्यादा

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चलाए गए विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में 52 लाख 80 हजार 882 नए मतदाता जोड़े गए हैं। इसमें पुरुषों की संख्या 28 लाख 86 हजार 988 है जबकि महिलाओं की संख्या 23 लाख 92 हजार 258 है। तृतीय लिंग के 1636 मतदाता जोड़े गए हैं। इसमें 18 से 19 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 14 लाख 66 हजार 470 नाम जोड़े गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने निर्वाचन कार्यालय में बताया कि 1 नवंबर में से 05 दिसंबर तक नाम जोड़ने और कटवाने के लिए अभियान चलाया गया था।

इस दौरान न सिर्फ 52.80 लाख नए मतदाता जोड़े गए बल्कि 21 लाख 40 हजार 278 नामों को मतदाता सूची से हटाया गया। इसमें 10 लाख 50 मतदाता मृतक श्रेणी, 3 लाख 32 हजार 905 जो दूसरे स्थानों पर चले गए हैं। और 7 लाख 94 हजार 29 ऐसे मतदाता है जिनके दो स्थानों की मतदाता सूची में नाम थे। अजय कुमार ने बताया कि पुनरीक्षण अभियान के दौरान 2 लाख 37 हजार 941 प्रविष्टियों में संशोधन संबंधी कार्रवाई कराई गई। नाम जोड़े जाने और हटाए जाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रदेश में 15 करोड़ 2 लाख 84 हजार 5 मतदाता आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इसमें महिलाओं की संख्या 8 करोड़ 04 लाख 52 हजार 736 है जबकि महिलाओं की संख्या 6 करोड़ 98 लाख 22 हजार 416 है। तृतीय लिंग की संख्या 8853 है। उन्होंने बताया कि पिछले चुनाव के मुकाबले पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के अनुपात में सुधार आया है। पहले जहां 1000 पुरुष पर 857 महिलाएं थीं, वहीं अब यह 1000 पुरुषों में 868 हो गई है। उन्होंने बताया कि 10 लाख 64 हजार 266 दिव्यांग और 24 लाख 03 हजार 296 ऐसे मतदाता हैं जिनकी आयु 80 वर्ष से अधिक है। इन मतदाताओं को घर से वोट डालने का मौका मिलेगा।

नामांकन की तारीख तक जुड़वा सकेंगे नाम

अजय शुक्ला ने बताया कि मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं। यह सूची संबंधित बूथ पर चस्पा की गई है। इसके अलावा बीएलओ से संपर्क कर और निर्वाचन कार्यालय से संपर्क कर और वेबसाइट के माध्यम से भी मतदाता अपने नाम चेक कर सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं वह अपने नाम इन्हीं माध्यमों से जुड़वा भी सकते हैं। नाम जुड़वाने की प्रक्रिया संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में होने वाली नामांकन प्रक्रिया तक चलेगी। www.voterportal.eci.gov.in, nvsp.in या voter helpline app के माध्यम से भी अपने नाम चेक किए जा सकते हैं और नाम न होने पर जुड़वाए जा सकते हैं। इसके अलावा अगर कोई और भी समस्या आती है तो अपने निर्वाचन अधिकारी से संपर्क कर सकते है। तहसील स्तर पर एसडीएम भी आपकी समस्या सुलझा सकते हैं। पंचायत अध्यक्ष से भी अपनी परेशानी बता समस्या हल करा सकते हैं।

कोर्ट ने पूछा- क्या ऑनलाइन वोटिंग हो सकती है?

नैनीताल हाईकोर्ट ने राज्य में ओमिक्रॉन व कोरोना के मामले बढ़ने से विधान सभा के चुनाव व रैलियों को स्थगित किए जाने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद चुनाव आयोग व भारत सरकार से पूछा है कि क्या चुनावी रैलियां वर्चुअली और वोटिंग ऑनलाइन हो सकती है। नैनीताल हाईकोर्ट ने 12 जनवरी तक इस मामले में सरकार से जवाब देने को कहा है।

पांच साल में बढ़े 86 लाख वोटर

बीते पांच साल में 86 हजार नए वोटर बढ़ गए हैं। इस बार जहां मतदाताओं की संख्या 15.02 करोड़ है वहीं विधानसभा चुनाव 2017 में मतदाताओं की संख्या 14.16 करोड़ थी। 2012 में यह संख्या 12.74 लाख, 2007 के चुनाव में मतदाताओं की संख्या 11.35 करोड़ और 2002 के चुनाव में यह संख्या 9.97 करोड़ थी।

1.74 लाख पोलिंग स्टेशन

जिला निर्वाचन आयोग के अनुसार इस बार यूपी में पिछली बार के मुकाबले लगभग 11 हजार बूथ बढ़ाए गए हैं। इस तरह इस बार बूथों की संख्या 1 लाख 74 हजार 351 होगी। हर बूथ पर बुनियादी सुविधाओं को इंतजाम किया जा रहा है। दिव्यांगों के लिए विशेष रूप से रैप बनाए जाएंगे।

लखनऊ में नौ सीटों के लिए 38 लाख वोटर करेंगे मतदान

लखनऊ। इस वर्ष होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव में लखनऊ की नौ सीटों के लिए 38 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। जिला निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया है। सूची में प्रति हजार पुरुषों पर महिला मतदाताओं का अनुपात और इलेक्ट्रोल रेशियो मानकों के अनुसार नहीं है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अभय किशोर के मुताबिक मतदाता सूची में चुनाव से पहले सूची में आंशिक फेरबदल हो सकता है। आयोग के मुताबिक प्रति हजार पुरुष मतदाताओं पर महिला वोटरों की संख्या 906 होनी चाहिए, लेकिन कई विधानसभाओं में यह आंकड़ा कम है। इसी तरह इलेक्ट्रोल वोटर यानी प्रति सौ की आबादी पर वोटरों की संख्या आयोग के मानकों के अनुसार 69 प्रतिशत होनी चाहिए। जारी सूची में कई विधानसभाओं में या तो अधिक है या कम है।

चुनाव प्रचार की अवधि की जा सकती है न्यूनतम

इस साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चुनाव आयोग ने एक बार फिर से केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण से रिपोर्ट मांगी है। राजेश भूषण देशभर में कोरोना के बढ़ते मामलों, वैक्सीनेशन और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की रिपोर्ट लेकर आयोग पहुंचे हैं। बताया जाता है कि आयोग इन रिपोर्ट्स के आधार पर कोई बड़ा फैसला ले सकता है। चुनावी रैलियों पर भी रोक लग सकती है। चुनाव आयोग चुनाव प्रचार की अवधि भी न्यूनतम करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस बार मुमकिन है कि चुनाव प्रचार की अवधि को 22 से 25 दिन तक सीमित किया जा सकता है। इसके अलावा चुनाव प्रचार में लोगों की संख्या भी सीमित की जा सकती है। लापरवाही करने वाले को आचार संहिता के उल्लंघन जैसी सजा दी जा सकती है।

पहले आ चुकीं दो गाइडलाइन, तब यह थे नियम

सबसे पहले 2020 में बिहार चुनाव के समय आयोग की पहली गाइडलाइन आई। फिर 2021 में बंगाल चुनाव के समय दूसरी गाइडलाइन आई। ये दो गाइडलाइन थीं एक में राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं, मतदाताओं और नेताओं के लिए चुनाव प्रचार प्रक्रिया का प्रोटोकॉल था। क्या करें क्या न करें का ब्योरा। दूसरी गाइडलाइन में मतदान कराने वाली टीम यानी सुरक्षा और मतदान कार्य में लगे लोग कैसे खुद को सुरक्षित रखते हुए मतदान सम्पन्न कराएं इसकी नियमावली थी।

चुनावी राज्यों में टीकाकरण पर जोर

देश में बढ़ रहे कोरोना मामलों के बीच आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी चल रही हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन और उस पर अमल और सख्त होगा। इसको लेकर चुनाव आयोग ने अधिकारियों के साथ विशेष बैठक की। चुनाव आयोग ने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण के साथ समीक्षा बैठक में चुनाव वाले पांच राज्यों में सभी पात्र लोगों के लिए टीकाकरण की जरूरत पर जोर दिया गया। वहीं चुनाव प्रचार, मतदान के दौरान सुनिश्चित किए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर चिकित्सा विशेषज्ञों से इनपुट लिया गया। बता दें कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर व पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक मीटिंग में इस बात पर भी विचार किया गया कि राजनीतिक दलों, मतदाताओं और उम्मीदवारों के लिए या फिर मतदान अधिकारियों की टीम के लिए सभी पर सख्त निगरानी रखने और जरा सी भी लापरवाही पर तुरंत एक्शन लिया जाए। चुनाव प्रचार के दौरान या फिर मतदान के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क लगाने की अनिवार्यता पर सख्ती से अमल किया जाएगा। बिना मास्क वाले मतदाता को किसी भी सूरत में बूथ के अंदर घुसने ही न दिया जाए।

उत्तराखंड में बढ़े तीन लाख मतदाता, 81 लाख का आंकड़ा पार

देहरादून। प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए तीन लाख मतदाता और बढ़ गए हैं। साथ ही राज्य में मतदाताओं का आंकड़ा 81 लाख पार कर गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि एक माह के अभियान में प्रदेश में एक लाख से अधिक युवा मतदाता भी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर तक प्रदेश में कुल 78 लाख 46 हजार मतदाता थे। एक से 30 नवंबर के बीच अभियान चलाया गया, जिसके बाद मतदाताओं की संख्या बढ़कर 81 लाख 43 हजार 922 हो गई है। उन्होंने बताया कि 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या भी 46 हजार 765 से बढ़कर एक लाख 58 हजार आठ पर पहुंच चुकी है। निर्वाचन विभाग ने मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए कई तरह की कसरत की। इसके तहत जहां महिलाओं को जागरूक करने के लिए महिला चौपाल का आयोजन प्रदेशभर में किया गया तो दूसरी ओर जगह-जगह मशाल जलाकर भी जागरूकता बढ़ाई गई। युवाओं को मतदाता बनाने के लिए परिवार रजिस्टर से पात्र होने जा रहे मतदाताओं की पहचान कर उनके वोट बनाने का लक्ष्य रखा गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महामारी को लेकर सतर्कता जरूरी

एक बार फिर कोरोना ने भारत में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के साथ देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। एक दिन में करीब एक लाख 15 हजार लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। मरने वालों की संख्या भी 400 के पार पहुंच चुकी है। वहीं तमाम हिदायतों और निर्देशों के बावजूद सार्वजनिक स्थलों और बाजारों में लापरवाही जारी है। ऐसे में कोरोना की तीसरी लहर को आने से रोकना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि महामारी की दूसरी लहर में हाहाकारी हालातों का सामना करने के बाद भी लोग लापरवाह क्यों हैं?

केंद्र व राज्य सरकारें कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन क्यों नहीं करा रही है? क्या सिर्फ टीकाकरण से महामारी की रफ्तार को रोका जा सकेगा? भीड़ को नियंत्रित करने के जरूरी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? बढ़ते संक्रमण के बावजूद रैलियां स्थगित क्यों नहीं की जा रही हैं? क्या सत्ता के आगे सियासी दल जनता के जीवन को दांव पर लगा रहे हैं? क्या एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में नहीं पहुंचा देगी? राज्य सरकारों ने पाबंदियों का ऐलान किया है लेकिन ये महज कागजों में सिमट कर रह गयी हैं। अभी भी लोग बाजार में बिना मास्क घूम रहे हैं। दुकानों और बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। इस मामले में स्थानीय पुलिस-प्रशासन भी सक्रिय नहीं दिख रहा है। यह दीगर है कि सरकार ने महामारी को देखते हुए टीकाकरण की रफ्तार बढ़ा दी है और 15 से 18 साल के किशोरों का भी वैक्सीनेशन शुरू कर दिया है लेकिन विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कोरोना से निपटने में केवल वैक्सीनेशन पर्याप्त नहीं है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के साथ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन भी अनिवार्य रूप से करना होगा क्योंकि टीकाकरण के बावजूद संक्रमण की संभावना बनी रहती है। दुनिया के कई देशों में बूस्टर डोज भी लग रही है। भारत ने भी तीसरी डोज को मान्यता दे दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि लापरवाही जारी रही तो तीसरी लहर को आने से रोका नहीं जा सकेगा। जाहिर है, सरकार को चाहिए कि वह विशेषज्ञों की बातों को गंभीरता से लेते हुए कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराए। साथ ही टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाए क्योंकि अभी भी कई करोड़ लोगों ने वैक्सीन की एक डोज भी नहीं लगवाई है। जनता को समझना चाहिए कि कोई भी सरकार जन सहयोग के बिना किसी भी महामारी से नहीं निपट सकती है लिहाजा उसे नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इसके अलावा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। सरकार को नाइट कर्फ्यू नहीं, बल्कि और सख्त होना पड़ेगा। तभी इस खतरे को बढ़ने से रोका जा सकता है।

“ एक बार फिर कोरोना ने भारत में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के साथ देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। एक दिन में करीब एक लाख 15 हजार लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। मरने वालों की संख्या भी 400 के पार पहुंच चुकी है। वहीं तमाम हिदायतों और निर्देशों के बावजूद सार्वजनिक स्थलों और बाजारों में लापरवाही जारी है। ऐसे में कोरोना की तीसरी लहर को आने से रोकना मुश्किल होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महामारी का दुश्चक्र तोड़ने की हो साझा पहल

दिनेश सी. शर्मा

बीता साल पिछले बारह महीनों में हुए घटनाक्रम का पुनरावलोकन करने का मौका देता है, साथ ही यह अवसर अगले बारह मासों का अंदाजा लगाने का भी होता है। किंतु आज भी जारी कोविड-19 महामारी ने इस कवायद को मुश्किल बना दिया है। पिछले साल का आगाज एक नए वेरियंट 'अल्फा' पैदा होने के डर से हुआ था। इसके प्रभाव से बने केसों की शिनाख्त दिसंबर, 2020 में जीनोम सिक्वेंसिंग के जरिए हुई थी। वक्त बीतने के साथ इसका अगला रूप 'डेल्टा' उभरा, जो भारत में महामारी की अत्यंत मारक दूसरी लहर का जिम्मेवार था, इसके शिखर पर, 3 मई को देश में 27 लाख से अधिक संक्रमित थे।

इस डेल्टा वेरिएंट ने कई देशों में करोड़ों लोगों को संक्रमित किया था और दुनियाभर में यह कोरोना का सिरमौर घातक रूपांतर रहा। वर्ष 2021 का अंत आते-आते हम इसके नए वेरिएंट ओमीक्रोन के साये से घिरने लगे हैं। फिलवक्त दक्षिण अफ्रीका में यह महामारी का मुख्य वाहक है और तेजी से अन्य जगहों पर फैल रहा है। आलम यह है कि नए रूपांतर आना, जीनोम सिक्वेंसिंग, ट्रैवल एडवाइजरी, अल्प लॉकडाउन और आर्थिकी के पहिए थमना जैसा घटनाक्रम मानो एक चक्र बन गया है। वर्ष 2022 की चुनौतियों में एक होगा, इस दुश्चक्र को तोड़ने की राह निकलना।

हालांकि घटनाक्रम का सिलसिला, जो अब दिख रहा है, वह पिछले साल जैसा लगता है, किंतु इस बार फर्क है। सबसे बड़ा अंतर यह कि अब दुनिया में विभिन्न वैक्सीन और संभावित गोली के रूप में हथियार हैं। 8 दिसंबर, 2020 को यूके की मारग्रेट कीनन विश्व में कोविड-19 की वैक्सीन खोजने वाली पहली साइंसदान बनीं। तब से लेकर कोविड-19 की विभिन्न वैक्सीन के लगभग 900 करोड़ टीके संसार भर में लग चुके हैं। इसमें लगभग 145 करोड़ अकेले भारत में लगे हैं। वैश्विक मेडिकल इतिहास में कोविड वैक्सीनेशन सबसे बड़ी रोग-प्रतिरोधात्मक मुहिम है। बृहद तौर पर यह आंकड़े भले ही काफी प्रभावशाली लगते हैं लेकिन विश्व में व्याप्त असमानता को भी ढांपे हुए हैं।

भारत में, जिन लोगों को वैक्सीन का एक टीका लग चुका है, 26 दिसंबर 2021 तक उनका हिस्सा 60 प्रतिशत था, तो दोनों खुराक पाने वालों की संख्या 41.8 प्रतिशत था। समाज के विभिन्न आय वर्गों में वैक्सीन लगने में कितना फर्क है, इसका डाटा सार्वजनिक डोमेन पर उपलब्ध नहीं है। अपनी कमियों के बावजूद कोविड की मौजूदा

वैक्सीन नए-नए रूपांतरों के विरुद्ध सबसे कारगर हथियार है। इसलिए ध्यान का केंद्र दोनों टीके लगे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ाने के साथ-साथ बूस्टर डोज लगाने पर बनाए रखना होगा। हालांकि पाया गया है कि ओमीक्रोन वैक्सीन की दोनों खुराक पाए लोगों को भी निशाना बनाने में सक्षम है, लेकिन अनुमान है कि ऐसे लोगों में संक्रमण की तीव्रता कम रहेगी। पूरा डाटा आने और अध्ययन के बाद ही दृश्यावली पूरी तरह साफ हो पाएगी। अतएव कोविड के नित नए रूपांतरों के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन अभियान को मुख्य हथियार बनाए रखना जारी रहेगा। भारत में इसको विस्तार देते हुए तरुणों, फ्रंटलाइन वर्करों और अतिरिक्त रोग-ग्रस्त बुजुर्गों को बूस्टर डोज लगाने का काम महत्वपूर्ण बन जाता है। ठीक इसी समय, जिन्होंने एक भी टीका नहीं लगवाया, उन तक पहुंचना बहुत जरूरी है। देखने में आया है कि जिन देशों में अधिसंख्या पूरी वैक्सीन लगवा चुके लोगों की है, वहां चंद बचे लोगों को जरिया बनाकर वायरस नई लहर बना रहा है। ओमीक्रोन पिछले डेल्टा वेरियंट की तरह तबाहकुन न बनने पाए, इसकी रोकथाम हेतु एक उपाय है कोविड संबंधी आचार-संहिता का पालन करना। वर्ष 2021 के आरंभ में, जब अल्फा की शिनाख्त हुई थी और डेल्टा भारत में कहीं अभी अपने पैर जमा रहा था, उस वक्त लोगों ने ढिलाई बरतनी शुरू कर दी थी।

चुनाव आयोग ने केरल, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव करवाने की घोषणा कर दी थी। इस प्रक्रिया के तहत बहु-चरणीय चुनावी तिथियों के कारण प्रचार लंबे समय तक खिंचा। सुरक्षित दूरी बनाने और मास्क लगाने की अनिवार्यता के बिना विशाल चुनावी रैलियां हुईं। 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच कई चरणों में मतदान हुआ, चंद दिनों में ही डेल्टा वेरिएंट सारे देश में अपनी पूरी ताब के साथ फैल गया। वर्ष 2022 के आरंभ में हम फिर वैसी स्थिति में है, जहां एक ओर नए कोविड रूपांतर ने भारत में अपनी आमद दर्ज करवा दी है। वहीं पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव को कुछ ऐसे तरीके से करवाया जाए ताकि ओमीक्रोन की भावी लहर या नया वेरियंट बनाने में सहायक न बने।

अफगानिस्तान में गहरी पैठ बनाने के मंसूबे

जी. पार्थसारथी

इमरान खान पाकिस्तान के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और उनकी जगह लेने की महत्वाकांक्षा रखने वाले और अपने चहेते पूर्व आईएसआई मुखिया ले. जनरल फैज हमीद के बीच रार पैदा करवाने की 'शोहरत' हासिल की है। बाजवा का कार्यकाल 1 नवंबर, 2022 तक है। यह फैज हमीद वही हैं जिन्होंने अफगानिस्तान पहुंचकर आईएसआई के कुख्यात चेले हक्कानी नेटवर्क का प्रयोग करके मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को बेदखल कर काबुल से कंधार जाने को मजबूर कर अंतरराष्ट्रीय कुख्याति पाई थी। जबकि बरादर का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय था। तत्पश्चात तत्कालीन इस आईएसआई प्रमुख की भागीदारी और उपस्थिति में अफगानिस्तान की नई काबीना को शपथ दिलवाई गई। जाहिर है इमरान खान को इस तमाम कार्रवाई का इल्म था और समर्थन भी, लेकिन यह करवाना खुद के लिए नई समस्या पैदा करना था। ऐसी कोई वजह नहीं कि ले. जनरल फैज हमीद की जगह बने नए आईएसआई प्रमुख ले. जनरल नदीम अहमद अंजुम भी अपने पूर्ववर्ती की तरह इमरान खान की धुन पर खुशी-खुशी नाचेंगे।

यह सब उस समय हो रहा है जब बांग्लादेश पाकिस्तानी शिकंजे से निजात लेकर पाई आज़ादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। पाकिस्तान की सोच थी कि बांग्लादेश विदेशी खैरात पर पलने वाला एक भिखारी मुल्क बनकर रह जाएगा। आज अधिकांश आर्थिक सूचकांकों में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पछाड़ दिया है। यह छवि खुद को दुनियाभर के कट्टर इस्लामिक संगठनों का अग्रणी चैंपियन होने का दिखावा करने वाले पाकिस्तान से एकदम जुदा है।

अर्थशास्त्री मानते हैं कि बांग्लादेश अगला एशियन टाइगर होने जा रहा है। पिछले साल उसकी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी, जो भारत के 8 फीसदी के बराबर है और पाकिस्तानी की 5.8 प्रतिशत से काफी ऊपर। आज एक बांग्ला नागरिक पर कर्ज औसतन 434 डॉलर है जो एक पाकिस्तानी के सिर चढ़े 974 डॉलर के आधे से कम है। बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार 32 बिलियन डॉलर है जो कि पाकिस्तान के 8 बिलियन डॉलर से चार गुणा है। हकीकत में पाक का विदेशी मुद्रा भंडार बांग्लादेश का एक-चौथाई तो 640 बिलियन डॉलर वाले भारत का महज 1.2 फीसदी है।' दुनिया को ताजुब्ब हुआ कि अफगानिस्तान के पांच पड़ोसी कजाखस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिज़स्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में हुए इस्लामिक देशों के सम्मेलन को बीच में छोड़कर नई दिल्ली में आयोजित विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने को रवाना हो गए थे। भारत ने यह वार्ता अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बाद पैदा हुई समस्याओं पर क्षेत्रीय सहयोग पर विमर्श को बुलाई थी। इस्लामाबाद वाले सम्मेलन का उद्घाटन इमरान खान ने किया था। हालांकि जिन देशों ने शिरकत करी, उनसे सउदी अरब के अलावा आयोजन हेतु मदद पाने की उम्मीद ज्यादा नहीं थी।

इमरान खान के शासन में पाकिस्तान ने तालिबान राज से पैदा हुई वैश्विक चिंताओं पर खुद को राजनयिक तौर पर धुरी पेश कर, हर संभव तरीके से भुनाने की कोशिश की है। लेकिन अपनी घरेलू समस्याओं की वजह से इमरान खान के समक्ष अनेकानेक गंभीर चुनौतियां हैं। इमरान खान का एक तरह से तालिबान का प्रवक्ता बनकर उसकी रूढ़ियों को जायज ठहराना, मसलन, महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के मौकों से महरूम रखना, निश्चित तौर पर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी व खुद कई इस्लामिक मुल्कों को यह रुख पसंद नहीं आया है। सबसे महत्वपूर्ण है जरूरी वस्तुओं की किल्लत झेल रहे अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय सहायता पहुंचाना। भारत, ईरान और मध्य एशियाई सहयोगी देश उपाय करके, ईरान के चाबहार बंदरगाह का ज्यादा इस्तेमाल करते हुए अफगानिस्तान तक सामग्री-आपूर्ति गलियारा बना सकते हैं। ब्लूचिस्तान के लोगों में पाकिस्तान और खासकर उसका 'सदाबहार' दोस्त चीन लोकप्रिय नहीं हैं। मछली पकड़ने वाली चीनी नौकाओं द्वारा ब्लूचिस्तान के तटों के काफी नजदीक आकर स्थानीय मत्स्य खजाने में सेंध लगाने से खफा हुए बलूचों से निपटने में पाकिस्तान को बहुत मशक्कत करनी पड़ती है। इमरान के लिए 2023 के आम चुनाव के मद्देनज़र आगामी दो साल बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे भी पहले, सेनाध्यक्ष बाजवा नवम्बर, 2022 में सेवानिवृत्त होने को अग्रसर हैं, अगले सेना प्रमुख का फैसला बहुत अहम होगा। इमरान खान और बाजवा के बीच संबंध पहले काफी मधुर थे लेकिन हाल ही में मतभेद उभरकर सार्वजनिक हो गए जब इमरान खान ने बाजवा द्वारा अपने चहेते और पूर्व आईएसआई प्रमुख ले. जनरल फैज हमीद की बदली बतौर कोर कमांडर करने वाले आदेश पर दस्तखत करना टाले रखा। हालांकि बाद में किरकिरी करवाकर अंतत: इमरान खान को बाजवा के नामांकित जनरल नदीम अहमद अंजुम की नियुक्ति बतौर आईएसआई प्रमुख स्वीकार करनी पड़ी। अमेरिका के 'आतंक के खिलाफ' युद्ध में भूमिका निभाने के पाकिस्तानी दावों के बावजूद उस पर तालिबान की अंदरखाते मदद करने के इल्जाम लगातार जारी रहे थे। इस लड़ाई में मदद के नाम पर दो दशकों तक अमेरिका को आर्थिक एवं सैन्य रूप से दुहने वाला पाकिस्तान आज खुद को अमेरिका से हताश हुआ बता रहा है। जबकि ज्यादातर अमेरिकियों को अहसास है कि वे पाकिस्तान की दोहरी चाल के शिकार बने रहे।

सर्दी-जुकाम से लेकर गले की खराश तक का कारगर उपाय है

गर्म पानी

का सेवन करना

कोरोना की थर्ड वेव आ चुकी हैं। देश में इस वायरस से संक्रमितों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। सरकारें कमर कसे हुए हैं और प्रशासन भी मुस्तैदी से तैयार है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या देश के लोग खुद इसको लेकर सजग हैं? मास्क लगाना, हाथ धोना, सेनेटाइज करना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना ये इस समय सबसे बड़ा बचाव हैं। इसे फॉलो करने में कोई कोताही न बरतें। साथ ही साथ खानपान के जरिए भी सेहतमंद रहने की कोशिश करें। मौसम के चलते होने वाले सर्दी-जुकाम और खांसी को इस समय हल्के में लेने की गलती न करें क्योंकि ये कोरोना के लक्षण भी हो सकते हैं। बहुत ज्यादा दिक्कत होने पर डॉक्टर से कंसल्ट करने में देरी न करें। इसके अलावा घरेलू उपायों में गर्म पानी का सेवन करना काफी फायदेमंद रहेगा। गर्म पानी कई कीटाणुओं को भी नष्ट करता है।

खुल जाती है बंद नाक

गर्म पानी से बंद साइनस खुलता है। सर्दी-जुकाम में साइनस और गले में म्यूकस मेंब्रेन जमा होते हैं, जिसकी वजह से सब कुछ जाम-जाम सा हो जाता है। गर्म पानी पीने से ब्लॉकेज़ खुल जाते हैं। साथ ही इससे गले के खराश में भी आराम मिलता है। एक साथ पानी पीने की जगह हल्का सिप ले लेकर ग्लास खत्म करें।

बॉडी करता है डिटॉक्स

गर्म पानी के सेवन से बॉडी को आसानी से डिटॉक्स किया जा सकता है। सही मात्रा में पानी पीना क़िडनी के लिए अच्छा होता है। इससे ब्लड में मौजूद गंदगी आसानी से डाइल्यूट हो जाती है और यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकल जाती है।

ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है

बॉडी में ब्लड का सही सर्कुलेशन कई तरह की बीमारियों से महफूज रखने में मदद करता है। तो इसलिए भी जरूरी है गर्म पानी पीना। वैसे गर्म पानी से स्नान भी रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

तनाव होता है दूर

गर्म पानी पीते रहने से हमारे नर्वस सिस्टम पर पॉजिटिव इफेक्ट पड़ता है। इससे दिमाग एक्टिव व तेज होता है और मूड भी अच्छा रहता है। जब मूड अच्छा रहेगा तो तनाव वैसे ही नहीं होगा।

हंसना मना है

सचिन और सौरव दोनों भाई एक ही क्लास में पढ़ते थे... टीचर तुम दोनों ने अपने पापा का नाम अलग-अलग क्यों लिखा? सौरव: मैडम फिर आप कहोगे नकल मारी है, इसीलिए...।

लुंगी पहनी देहाती लड़की को पेड़ पर बैठा देख एक आंटी बोली...वहां क्यों बैठी है? लड़की- सेब खाने महिला-पर यह तो आम का पेड़ है। लड़की-ओ, आंटी, सेब लेकर आई हूं।

इंटरव्यू में बॉस ने पूछा: क्या आपको ब्रिटिश भाषा आती है? लड़का: हाँ बॉस: कुछ बोल के दिखाओ लड़का: डूगना लागान डेना पडेगा बुवन! बॉस: बॉस बेहोश।

बबलू : ऐसा लगता है कि वो लड़की ऊंचा सुनती है। मैं कुछ कहता हूं वो कुछ और ही बोलती है। डबलू: वो कैसे? बबलू: मैंने कहा, आई लव यू, तो वह बोली मैंने कल ही नए सैंडल खरीदे हैं।

पत्नी से झगड़ा के बाद मैंने कहा, तुम मेरा क्या बिगाड़ लोगी, तब से मोबाइल का चार्जर ही नहीं मिल रहा।

बेटा स्कूल से जल्दी घर आ गया... मां: क्या हुआ बेटा, आज जल्दी घर आ गए, बेटा: हां मां, मैंने एक मच्छर मार दिया तो मैडम ने भगा दिया। मां: क्या? एक मच्छर मारने पर स्कूल से भगा दिया। बेटा :मच्छर मैडम के गाल पर बैठा था...

कहानी

हाथी में भगवान

ईश्वर कहां हैं, शिष्य ने अपने गुरु से पूछा। गुरु ने जवाब देते हुए कहा कि ईश्वर तो हर जगह मौजूद हैं। गुरु ने कहा कि ईश्वर तो तुममें भी है और मुझमें भी है। वह हर जीव में मौजूद है। वह कण-कण में मौजूद है। शिष्य ने गुरु की यह सीख गांठ बांध ली। गुरु से आज्ञा लेकर शिष्य अपने घर की ओर चला। रास्ते में उसे एक हाथी दिखाई दिया। हाथी के ऊपर बैठा महावत जोर से चिल्ला रहा था कि रास्ते से हट जाइए। हाथी काबू से बाहर हो गया है। यह आपको मार भी सकता है। शिष्य ने सोचा कि गुरुजी ने कहा कि हर किसी में भगवान है। तो मुझमें भी भगवान हैं और इस हाथी में भी भगवान हैं। तो भगवान भला भगवान को क्यों मारने लगे। यह सोचकर वह हाथी के सामने जाकर खड़ा हो गया। हाथी गुस्से में तो था ही उसने शिष्य को सूंड से उठाया और जमीन पर दे मारा। शिष्य गीली मिट्टी वाली जगह पर गिरा था इसलिए उसे ज्यादा चोट नहीं आई फिर भी उसे कमर और पैरों में गहरी चोट लगी। शिष्य गुस्से से आग-बबूला हो गया। वह तुरंत ही गुरु के पास पहुंचा और बोला कि आपने तो कहा कि हर किसी में भगवान है। तो फिर हाथी में भी भगवान होना चाहिए था। फिर बताइए उसने मुझ पर आक्रमण क्यों किया। क्या भगवान मुझे मारना चाहते हैं। गुरु बोले, बेटा माना कि भगवान हाथी में हैं पर भगवान उस महावत में भी हैं जो तुम्हें रास्ते से हटने के लिए कह रहा था। तुमने उसकी बात क्यों नहीं मानी। तो दोस्तों अपने कामों के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। हमें यह सोचना चाहिए कि क्या अच्छा हो सकता है। हमेशा किस्मत को भी दोष नहीं देना चाहिए। सोचना चाहिए कि किस्मत से हमें कितनी अच्छी चीजें मिली हैं।

10 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आपके खर्च बढ़ सकते हैं। घर से कुछ लोगों के विदेश जाने के योग बन सकते हैं। विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। मन में अशांति रहेगी। ज्यादा मेहनत करने से शारीरिक थकान हो सकती है।

वृषभ असमंजस की स्थिति से निकल सकते हैं। धन लाभ का योग है। किसी व्यक्ति के साथ आपके संबंधों के बीच का मामला सुलझने की संभावना है। कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन निजी मामलों में व्यस्त हो सकते हैं। आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। जीवनशैली में कुछ बदलाव आ सकता है। आर्थिक रूप से अच्छा है।

कर्क भाग्य देगा इसलिए लंबे समय से लंबित योजनाएं आज पूरी होंगी। कोई डील अटकी हुई है तो आज वह पूरी हो सकती है। व्यापार के मामले लाभ होगा। शादीशुदा लोग अपने घरेलू जीवन में खुश रहेंगे।

सिंह भरोसेमंद लोगों से समय पर सलाह मिल सकती है। आप अपनी प्रतिभा दिखाने में सफल हो सकते हैं। व्यापार या नौकरी के कारण यात्रा योग बन सकते हैं। नियोजित कार्य को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

कन्या रिवार में किसी खास बात को लेकर विवाद हो सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएं, लेकिन उन मामलों में शामिल होने से बचें जिनका आपसे कोई लेना-देना नहीं है।

तुला अपने खोए हुए रिश्ते को संभालने की कोशिश करते नजर आएंगे। विवाहित लोग अपने गृहस्थ जीवन को लेकर संतुष्ट रहेंगे। संपत्ति खरीदने में जीवनसाथी की मदद मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक कम मेहनत में ज्यादा मुनाफा हो सकता है। करियर से जुड़े मामले में कोई सहकर्मी आपकी काफी मदद कर सकता है। आज आप प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में बड़े काम संयम से करें।

धनु अधिकारियों से मतभेद की संभावना हो सकती है। धन लाभ का योग है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त हो सकती है। ऑफिस में काम ज्यादा हो सकता है। नौकरी में तरक्की होगी।

मकर कर्ज चुकाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दोस्तों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे और वे आपकी आर्थिक मदद भी करेंगे। आप अच्छे कार्यों पर खर्च करेंगे। नौकरी को लेकर आप काफी सावधान रहेंगे।

कुम्भ नौकरीपेशा और कारोबारी लोग अपने काम से संतुष्ट हो सकते हैं। किसी की मदद करने का मौका मिल सकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। संतान से सुख मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लें।

मीन वेतनभोगी लोगों को अधिकारियों से मदद मिल सकती है। कोई जरूरी काम भी पूरा हो सकता है। जीवनसाथी आपके मूड को परखने में असफल हो सकता है। आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

भोजपुरी | मन की बात

मैं खूबसूरत दिखने के लिए एक्सपेरीमेंट नहीं करती : कीर्ति

कीर्ति कुल्हारी इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने फिल्मों और सीरीज से महिला प्रधान किरदारों पर ही नहीं मुद्दों पर भी बात की है। पिंक, इंदु सरकार, फॉर मोर शॉटस प्लीज, मिशन मंगल जैसे तमाम प्रॉजेक्ट्स में अपने अभिनय को साबित कर चुकी कीर्ति इन दिनों चर्चा में हैं अपने नए सीरीज ह्यूमन को लेकर, जो मानवीय शरीर पर होने वाले एक्सपेरिमेंट पर आधारित है। इस विशेष बातचीत में वे अपनी सीरीज, अपने मानवीय पहलू, बूब और लिप जॉब, पैट्रियाकी, महिला सशक्तिकरण और अपनी तलाक पर बेबाक होकर बात करती हैं। वह कहती हैं कि सच तो यह है कि मेरे लिए डॉक्टरों की दुनिया अनजान नहीं है। मेरी दीदी 15 सालों से डॉक्टर हैं। मेरे जीजू भी डॉक्टर हैं और ये दोनों आर्मी में कार्यरत हैं, तो मुझे जब इस रोल का ऑफर मिला, तो मैंने खुश होकर दीदी-जीजाजी को कहा, मैं आप लोगों का रोल प्ले करने जा रही हूं। मैंने अपने सायरा के रोल को समझने के लिए दीदी से काफी सवाल-जवाब भी किए। मैं सीरीज में कार्डियक सर्जन बनी हूं, तो मैंने उनकी साइकी, उनके मरीजों से उनका रिश्ता जैसी तमाम बातों की पड़ताल की। यह सीरीज ह्यूमन ड्रग ट्रायल पर आधारित है, तो मैंने इस पहलू पर भी काफी रिसर्च की। इसमें कई हार्ड हिटिंग मुद्दे देखने को मिलेंगे, जिसे मैंने को आप राजी नहीं होंगे, मगर दुर्भाग्य से ऐसी चीजें होती हैं। मैं खुद को बहुत ज्यादा ह्यूमन मानती हूं। मैं ये नहीं कहती कि मुझमें कमियां नहीं हैं, मगर मैं लगातार बेहतर इंसान होने की दिशा में काम करती रहती हूं। मुझे लगता है कि एक इंसान के रूप में आप में कंपैशन, सहानुभूति और दया होने चाहिए। पिछले तीन सालों से मैं 7-8 ऐसे ऑर्गनाइजेशन से जुड़ी हूं, जो जानवरों और इंसानों के हित में काम करते हैं।

तनीषा मुखर्जी ने शादी की अफवाहों पर दी सफाई, बोलीं-

मैं सिंगल हूं और खुश हूं

काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी इस वक्त गोवा में हैं। वहां से वह लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। उन्होंने पैर के अंगूठे के साथ अपने पैरों की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिससे के बाद उनके फैंस का कहना था कि तनीषा ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। सोशल मीडिया यूजर्स कह रहे थे कि पैरों की उंगुलियों पर रिंग विवाहित महिलाएं पहनती हैं। अब अपनी शादी की अफवाहों पर एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने चुप्पी तोड़ी है।

क्या कहा तनीषा मुखर्जी ने

तनीषा मुखर्जी ने अपने एक इंटरव्यू में विवाह की अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि मुझे पैर की उंगुली पर छल्ले पहनना पसंद है और मुझे लगा कि यह अच्छा लग रहा है। इसलिए इसकी तस्वीर लेकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। उन्होंने यह भी कहा कि क्या मुझे अपने फैशन सेंस को लोगों के सामने सही ठहराने की जरूरत है? पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी तनीषा ने यह स्वीकार किया कि वह शादी के बारे में सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि हर कोई इसके बारे में सोचता है। मेरी ड्रीम वेडिंग तब तक बदलती रहती है जब तक मुझे शादी करने के लिए ड्रीम मैन नहीं मिल जाता है। उन्होंने कहा कि अगर वह शादी के बंधन में बंधेंगी, तो दुनिया को बता देंगी। तनीषा ने कहा, पूरी दुनिया जानती है कि मैं सिंगल हूं और खुश हूं। गौरतलब है कि तनीषा मुखर्जी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरों को साझा करती रहती हैं।

झूलन गोस्वामी की बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' कर रही हैं अनुष्का शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत पर बनी फिल्म '83' को भले सिनेमाघरों में दर्शकों का प्यार, दुलार और सत्कार अपेक्षित मात्रा में न मिला हो लेकिन इससे क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी बनने के बाद क्रिकेट के भी काफी करीब आ चुकीं अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का हौसला कमजोर नहीं हुआ है। अपनी पिछली फिल्म 'जीरो' की रिलीज के कोई तीन साल बाद अनुष्का ने अपनी अगली फिल्म का एलान किया है। ये फिल्म भारतीय क्रिकेट टीम की मशहूर खिलाड़ी झूलन गोस्वामी पर बनने जा रही है और इसका नाम है 'चकदा एक्सप्रेस'। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है, उससे पहले अनुष्का ने इसका एक टीजर भी जारी किया है। शाहरुख खान की फिल्म 'चकदे इंडिया' अगर भारतीय हॉकी टीम की महिला खिलाड़ियों की जोशीली जीत पर बनी थी तो अनुष्का शर्मा की फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' भारतीय क्रिकेट टीम की महिला खिलाड़ियों के जोश, हिम्मत और हौसले पर बनने जा रही है। साल 2008 में झूलन ने क्रिकेट के मैदान पर जो किया, उसने क्रिकेट के नक्शे पर देश की महिला टीम का नाम सोने के अक्षरों से लिख दिया। 'चकदा एक्सप्रेस' का जो टीजर गुरुवार को जारी हुआ, उसमें अनुष्का ने असमिया लहजे में कुछ संवाद भी बोले हैं और जो उनके किरदार के साथ साथ उनकी अदाकारी पर भी बिल्कुल फिट बैठे हैं। फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' झूलन गोस्वामी की बायोपिक होगी। अनुष्का इसमें झूलन का ही किरदार करती दिखेंगी। बीच में ये अफवाह उड़ी थी कि अनुष्का और उनके भाई करणेश की फिल्म कंपनी क्लीन स्लेट्ज फिल्म्स की इस फिल्म से अनुष्का ने अपना नाम वापस ले लिया है और उनकी जगह फिल्म 'बुलबुल' से सुर्खियों में आईं तृप्ति डिमरी को ये रोल दे दिया गया है। फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' की जो जानकारी सार्वजनिक की गई, उसमें सबसे अहम ये है कि ये फिल्म अब सिनेमाघरों के लिए नहीं बल्कि सीधे ओटीटी की रिलीज के लिए बनेगी।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे अनोखी नदी

इस नदी में बहता है रंग-बिरंगा पानी

हमारी पृथ्वी पर लाखों नदियां बहरती हैं। इनमें से कुछ बहुत बड़ी तो कुछ बहुत छोटी है। कुछ नदियों को बहुत साफ तो कुछ को बहुत गंदा माना जाता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी नदी के बारे में बताने जा रहे हैं। जो इन सबसे अलग है। क्योंकि ये नदी ना तो साफ पानी के लिए जानी जाती है और ना ही अपने आकार की वजह से, बल्कि ये नदी रंग-बिरंगे पानी की वजह से जानी जाती है। दरअसल, उत्तर अमेरिकी देश कोलंबिया में एक नदी बहती है जिसका पानी पूरी दुनिया का सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ये नदी दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियों में शुमार है। इस रंगीली नदी को 'कैनो क्रिस्टल्स' कहा जाता है। यहां के स्थानीय लोग इस नदी को 'पांच रंगो की नदी' और 'तरल इंद्रधनुष' जैसे नामों से पुकारते हैं। रंग बदलने वाली यह नदी कोलंबिया के प्राकृतिक चमत्कारों में से एक है।

क्या है नदी के रंग बदलने की वजह

क्रेनो क्रिस्टल्स नदी के पानी का रंग क्यों बदलता है, यह सवाल हर किसी के मन में होता है। जो चलिए आपकी इस जिज्ञासा को भी शांत कर ही देते हैं। बता दें कि नदी का पानी रंग नहीं बदलता। बल्कि इस नदी का पानी, नदी में मौजूद एक खास पौधे मैकेरेनिया क्लेविगरा के कारण रंग बदलने लगता है। इस पेड़ की वजह से ही ऐसा लगता है कि जैसे पूरी नदी प्राकृतिक रूप से रंगीन है। यह पौधा नदी की तलहटी में मौजूद रहता है। नदी का यह रंग-बिरंगा रूप लाइट और पानी के ऊपर निर्भर करता है। ये पौधा हरा, नारंगी, लाल, पीला और नीले रंग में दिखाई देता है। दरअसल, यह पौधा समय-समय पर जिस तरह के रंग बदलता है, नदी का पानी भी वैसा ही नजर आने लगता है। पौधे के गुलाबी, बैंगली, पीले, हरे, लाल सभी रंगों का प्रभाव नदी के पानी में दिखाई देने लगता है। दरअसल, पौधे के रंग और लाइट का मिश्रण ही इस नदी में रंगों की झलक दिखती है। नदी में खूबसूरत घुमावदार रॉक पूल है। यह घुमावदार चट्टाने इस नदी की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। बता दें कि इस नदी में पहले इस नदी में सैलानियों के आने पर प्रतिबंध था लेकिन पिछले कुछ सालों से यहां खूब पर्यटक आने लगे हैं। दरअसल, साल 2000 की शुरुआत के दौरान यह नदी गोरिल्ला आंदोलन का प्रांत थी, जिसे सैलानियों के लिए इसे खतरनाक इलाका माना जाता था। इसलिए यहां पर्यटको के आने पर प्रतिबंध लगा था। फॉरेन एंड कॉमनवेल्थ ऑफिस की ओर से यहां की यात्रा नजर अंदाज करने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन ऐतिहासिक शांति समझौते के बाद इस इलाके को घूमने के लिहाज से बेहद सुरक्षित घोषित कर दिया गया। उसके बाद यहां खूब सैलानी आने लगे। साल 2014 में इस इंद्रधनुषी नदी को 'नो-गो' सूची से हटा दिया गया। लेकिन साथ ही यात्रा के दौरान एक अच्छा टूर ऑपरेटर साथ ले जाने की भी सलाह दी गई।

इस गांव में प्याज और लहसुन खाना माना जाता है अपशकुन

खाने में जब तक प्याज और लहसुन का इस्तेमाल न किया जाए तब तक खाना बेस्वाद लगता है। लेकिन कुछ लोग प्याज और लहसुन को खाने से परहेज करते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां प्याज और लहसुन खाने को अपशकुन माना जाता है। यही नहीं इस गांव में अगर कोई गलती से भी प्याज या लहसुन को खरीदकर ले आता है तो उसके साथ अनहोनी हो जाती है। दरअसल, बिहार में एक ऐसा गांव है जहां पूरे गांव में कोई प्याज और लहसुन नहीं खाता। यह गांव जहानाबाद जिले की चिरी पंचायत में है। यह गांव जहानाबाद जिले से करीब 30 किलोमीटर दूर है। गांव का नाम त्रिलोकी बिगहा है। इस पूरे गांव में कोई भी व्यक्ति प्याज नहीं खाता। यह 30 से 35 घरों की बस्ती वाला गांव है। यहां अधिकांश यादव जाति के लोग रहते हैं। लेकिन पूरे गांव में कोई भी प्याज और लहसुन नहीं खाता। यहां तक कि गांव में प्याज और लहसुन बाजार से लाना भी मना है। गांव के एक बुजुर्ग रामविलास बताते हैं कि यहां के लोग वर्षों से प्याज और लहसुन नहीं खाते। उनके पूर्वज भी प्याज और लहसुन नहीं खाते थे। इस गांव में यह परंपरा आज भी कायम है। गांव के लोग प्याज और लहसुन न खाने का कारण गांव में स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर को बताते हैं। गांव की एक महिला बताती हैं कि गांव में ठाकुर जी का एक मंदिर है, इस कारण उनके पुरखों ने प्याज खाना प्रतिबंधित कर दिया था। 40-45 साल पहले किसी ने इस प्रतिबंध को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन तब उस परिवार के साथ अशुभ घटना घट गई थी। इसके बाद अब लोग बाजार से भी प्याज लाने से घबराते हैं। लोग प्याज खाने की हिम्मत भी नहीं करते। गांव के मुखिया बताते हैं कि वर्षो से गांव में यह परंपरा चली आ रही है। हालांकि वह ये भी कहते हैं कि इसे आप अंधविश्वास से भी जोड़ सकते हैं। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि इस गांव में सिर्फ प्याज और लहसुन ही नहीं, बल्कि मांस-मदिरा भी प्रतिबंधित है। गांव में कई लोग भी हैं, जिन्हें यह तक नहीं मालूम कि देश में प्याज की इतनी ज्यादा कीमत बढ़ गई है।

ग्रैंड फिनाले स्टेज पर प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

ग्रेटर नोएडा में मिस एंड मिसेज इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स 2021 का किया गया आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित पांच सितारा होटल क्राउन प्लाजा में मिस एंड मिसेज इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स 2021 का आयोजन किया गया। मिस इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स 2021 की विजेता ओडिशा की डॉ. सुष्मिता भांजा रहीं, पहली रनर अप महाराष्ट्र की डॉ. ऐश्वर्या परसा और दूसरी रनर अप कोलकाता की अमृता श्रीवास्तव रहीं। ग्रैंड फिनाले नाइट के लिए सेलिब्रिटी जूरी पवित्रा पुनिया (टेलीविजन अभिनेत्री और बिग बॉस 14 प्रतिभागी) थीं। शो का आयोजन सलोनी अग्रवाल और अंकुर अग्रवाल ने वैश्विक स्तर पर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया। आयोजन को सुगंध कला ने भी स्पॉन्सर किया।

» लखनऊ का सुगंध कला भी रहा स्पॉन्सर, सुष्मिता और शिखा रहीं विजेता

मिसेज इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स 2021 की विजेता ओडिशा की शिखा गायत्री, प्रथम उपविजेता डॉ. नवजोत कौर पंजाब और द्वितीय उपविजेता मनमीत कौर कोहली महाराष्ट्र रहीं। मिसेज क्लासिक इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स 2021 की विजेता ओडिशा की स्मिता कानूनगो रहीं। पहली रनर अप राजस्थान की अनीता माहेश्वरी व दूसरी रनर-अप उत्तराखंड की संगीता छाबड़ा रहीं। शो में टॉप मॉडल मिस शालिनी गुप्ता और अनुराग यादव उपस्थित थे। मिस एंड मिसेज इंडिया क्वीन ऑफ हार्ट्स को ऋचा राव एमडी विहार मार्ट पटना और फ्लेक्सी बॉन्ड द्वारा सपोर्ट किया गया। जूरी पैनल में डॉ. वरुण कात्याल, आहार विशेषज्ञ, बरुण गुप्ता, जीएम, होटल क्राउन प्लाजा उपस्थित रहे। अनन्या गुप्ता (मैंगो पीपल एंड क्वीन्स वैनिटी की ओनर), समीक्षा सिंह (मिस एशिया इंटरनेशनल), प्रीति सेठ (कॉस्मेटोलॉजिस्ट) जिन्होंने MIQH सीजन -4 के विजेताओं का चयन करने में अपना निर्णय दिया। लखनऊ के बिंदल, रेमो एंटरटेनमेंट, सुगंध कला, मैंगो पीपल, शी विंग्स फाउंडेशन (हाइजीन पार्टनर) MyPencilDotCom (पत्रिका पार्टनर), यूके इंटरनेशनल ब्यूटी एकेडमी (मेकअप टीम), रोडमास्टर साइकिल, ड्रीम 360, एसि सेव, कीस्टोन इवेंट्स, वैनेसा डिओडोरेंट्स, पतंजलि आटा नूडल्स, दिव्या जल, शेली मेकओवर, पचौली वेलनेस क्लिनिक, ग्लैम पिक्चर्स, द डेंटल हब (मुंबई) गिफ्टिंग पार्टनर के रूप में जुड़े। कंटेस्टेंट्स ने क्वीन्स वैनिटी, रनवे ऑन रेंट, प्रकाश रत्न, मान्या क्रिएशन्स बाय कशिश कालरा की डिजाइनर ड्रेस पहनी। दीपक गुप्ता (ब्रांड मार्केटिंग पार्टनर) राहुल शावेल (पचौली मार्केटिंग हेड) और पूजा मदान (बैक स्टेज मैनेजमेंट) राशि सिंह (उद्यमी) MIQH हेड मैनेजर हैं। सना चोपड़ा (शिष्टाचार कोच), सोनिया मदान (फिटनेस विशेषज्ञ), अलंकृता शाही (ग्रूमिंग एक्सपर्ट), ममता पुरी (स्टाइलिस्ट), आरोशी अग्रवाल (आहार विशेषज्ञ), कीर्ति नारंग (मेंटर), करिश्मा भल्ला (कोरियोग्राफर), डॉ. सागर अबीचंदानी (मुस्कान विशेषज्ञ), मनप्रीत कौर (शो प्रबंधन), शिवानी खरे (संचार कौशल प्रशिक्षक), सुभालिन (पोशाक प्रबंधन), पूनम पाठक (प्रतिभा प्रबंधन), मानसी नागपाल (फिटनेस सलाहकार) थे। MIQH अवार्ड नाइट के पुरस्कार विजेता रोमा शर्मा, मुक्ता चौहान, संजय कुमार, प्रीति दासवानी, कांता गोस्वामी, अवनीत कौर थे। आयोजक सलोनी अग्रवाल ने बताया कि यह उनका चौथा सीजन है जो बड़ी सफलता है। शो को जीतने वाले सभी प्रतियोगियों के लिए सभी रास्ते खुल जाएंगे। मॉडलों को अब विज्ञापन शूट और वेब सीरीज में भी काम दिया जाएगा।

भूकंप से कांपी रामनगरी, घरों से बाहर निकले लोग

» रिक्टर पैमाने पर 4.3 मापी गई तीव्रता, दहशत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में गुरुवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.3 मापी गई। बताया जाता है कि इसका केंद्र जमीन से 15 किमी नीचे था। झटकों के कारण लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, इस झटके से अयोध्या में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के ये झटके रात 11 बजकर 59 मिनट पर महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस करते ही लोग घरों से बाहर आ गए। इस दौरान बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों के चेहरे पर डर साफ देखा जा सकता था। डर का आलम यह था कि लोग करीब डेढ़ से दो घंटे बाद अपने-अपने घरों दोबारा पहुंचे। गौरतलब है कि इसके पहले वर्ष 2015 अप्रैल में अयोध्या सहित आसपास के जिलों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। उस दौरान रामनगरी में मां कामाख्या मंदिर की छत गिर पड़ी थी। इससे वहां पर भगदड़ मच गई थी। लोग जाने बचाने के लिए मंदिर परिसर से बाहर भागे थे। इसके अलावा लखनऊ के नगराम में मस्जिद की दीवार गिरने से लोग आसपास का इलाका छोड़कर भाग गये थे। हालांकि, अगले दिन हालात सामान्य हो गए थे।

अब किसानों को बिजली बिल में पचास फीसदी की छूट

» विपक्ष महंगी बिजली को लेकर सरकार पर था हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव से पहले योगी सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सिंचाई के लिए निजी नलकूप की मौजूदा बिजली दर में सरकार ने 50 प्रतिशत की कटौती करने का निर्णय किया है। इससे राज्य के 13 लाख किसानों को सीधा फायदा होगा। बिजली की दरों में 50 प्रतिशत की कटौती करने के लिए सरकार को लगभग एक हजार करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड को बतौर अनुदान देना होगा।

13
लाख किसानों को होगा फायदा प्रदेश सरकार के इस फैसले से

देश के दूसरे कई राज्यों में जहां सिंचाई के लिए किसानों को मुफ्त बिजली मिल रही है वहीं यूपी में किसानों के निजी नलकूप की बिजली दर दो से छह रुपये यूनिट तक है।

फिक्स चार्ज भी 70 से 130 रुपये प्रति हार्सपावर है। ऐसे में किसानों की बिजली महंगी होने का मुद्दा बनाकर विपक्षी पार्टियां सरकार को घेरती रही हैं। विपक्षी दलों द्वारा सरकार बनने पर मुफ्त बिजली देने की घोषणा कर किसानों को रिझाने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। लिहाजा योगी सरकार ने चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही किसानों को सस्ती बिजली देने का दांव चला। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किए गए ट्वीट के मुताबिक जनवरी माह से ग्रामीण क्षेत्र में मीटर्ड, अनमीटर्ड, एनर्जी एफिशियन्ट पंप और शहरी क्षेत्रों के मीटर्ड नलकूपों में बिजली के इस्तेमाल का खर्च वर्तमान की तुलना में आधा हो जाएगा। नई दरों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र में मीटर्ड कनेक्शन पर अभी जहां दो रुपये यूनिट की दर से बिल देना होता है वहीं अब मात्र एक रुपये यूनिट देना होगा। ऐसे कनेक्शन के लिए फिक्स चार्ज 70 रुपये के बजाय 35 रुपये प्रति हार्सपावर ही रह जाएगा।

जम्मू कश्मीर : मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने आतंकरोधी अभियान को जारी रखते हुए जालूवा (बड़गाम) में छिपे तीनों आतंकवादियों को मार गिराया है। हालांकि उन्हें ढेर करने से पहले सुरक्षाबलों ने रात से लेकर आज सुबह तक उन्हें कई बार आत्मसमर्पण करने का मौका दिया। इसके लिए गांव के बुजुर्गों व मौलवियों की मदद भी ली गई परंतु जब उन्होंने हथियार डालने से इंकार कर दिया था तो सुरक्षाबलों ने अभियान को लंबा न खिंचते हुए भारी हथियारों का इस्तेमाल करते हुए एक के बाद एक तीनों को मार गिराया। मारे गए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से संबंधित बताए जाते हैं।

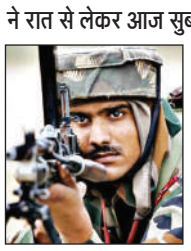

आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों को जैश सदस्य बताते हुए कहा कि एक आतंकी की पहचान वसीम निवासी श्रीनगर के तौर पर की गई है। बाकी दोनों की भी पहचान की जा रही है। सुरक्षाबलों ने तीनों शवों व मुठभेड़ स्थल से बरामद हथियारों को अपने कब्जे में ले लिया है। आसपास के इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाने के बाद जब सुरक्षाबलों ने इस बात की पुष्टि कर ली कि वहां अब ओर कोई आतंकी मौजूद नहीं है तो उन्होंने अभियान को समाप्त करने की घोषणा की और शवों को लेकर वहां से चले गए। पुलिस के अनुसार गत वीरवार रात करीब नौ बजे पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर जालूवा में छिपे आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया था।

भाजपा के लिए कठिन है चुनाव की डगर!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर यूपी का सियासी पारा चढ़ गया है। कोरोना को देखते हुए सियासी पार्टियों ने बड़ी-बड़ी रैलियां रद्द कर दी है। ऐसे में सवाल यह कि अब यूपी में भाजपा और सपा वोटरों तक पहुंचने के लिए क्या रणनीति अपनाएगी? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार उमाकांत लखेड़ा, शीतल पी सिंह, जयशंकर गुप्ता, हनुमंत राव, चिंतक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

» डिजिटल माध्यमों से भी लड़ी जाएगी जंग

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

उमाकांत लखेड़ा ने कहा, भाजपा सत्ता धारी पार्टी है। पिछला चुनाव पीएम मोदी के नाम पर लड़ा था। इस बार भाजपा के लिए बड़ी कठिन लड़ाई है। आम जनता के मुद्दे केंद्र में है। विज्ञापन बता रहे हैं कि भाजपा को हार को डर सता रहा है। हिंदुत्व का मुद्दा अब अप्रासंगिक हो चुका है। हनुमंत राव ने कहा, अगर पाबंदियां लगीं तो दोनों दलों के पास डिजिटल माध्यम से प्रचार करने का रास्ता खुलेगा। इसमें भाजपा सबसे आगे रहेगी। हालांकि कोरोना ने विपक्ष को मजबूत किया है। भाजपा के पास गांव, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर व्हाट्स एप ग्रुप है और वे अपने टारगेट तक पहुंचते हैं। वहीं अखिलेश ने ग्राउंड लेवल पर छोटे दलों को मिलाकर बेहतर काम किया है। इसका फायदा मिलेगा।

सीपी राय ने कहा, भाजपा की आईटी सेल नफरत बांट रही है। यह लड़ाई फासीवाद बनाम लोकतंत्र है लेकिन अब आईटी सेल की नहीं चल रही है। शीतल पी सिंह ने कहा, विभाजन की राजनीति प्रदेश में चल रही है। भाजपा यही काम कर रही है। पीएम से लेकर सीएम तक विभाजनकारी बातें कर रहे हैं। जो मोदी से नाराज है वे सपा में जा रहे हैं। जयशंकर गुप्ता ने कहा, भाजपा अपनी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से घर-घर जाकर मिल रही है। वह जाति और धर्म के नाम पर निगटिव प्रचार कर रही है। पिछड़े भाजपा नाराज है। वहीं सपा की सोशल इंजीनियरिंग प्रदेश में काफी बेहतर दिख रही है।

लोकतंत्र को कैद करने की कोशिश में बीजेपी : अखिलेश

» महंगाई, बेरोजगारी बेलगाम संवैधानिक संस्थाएं हुई कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा भाजपा ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेलगाम है। संवैधानिक संस्थाएं लगातार कमजोर होती जा रही हैं। भाजपा लोकतंत्र को कैद करना चाहती है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र की बेड़ियों को तोड़ने की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में किसान और खेती सर्वाधिक उपेक्षित हैं।

भाजपा के वादे के अनुसार उसे फसल का लाभप्रद मूल्य नहीं मिला। इस दौरान सात सौ से ज्यादा किसानों की मौत हुई है। जनता और किसानों के दबाव में केंद्र सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े अन्यथा इनके लागू होने पर किसान की खेती भी चली जाती और वह स्वामी के बजाय खेतिहर मजदूर बन जाता। उन्होंने कहा कि भाजपा ने रोजगार का वादा किया था लेकिन नौजवानों को रोजगार तो मिला नहीं तमाम औद्योगिक संस्थानों से उनकी बड़े पैमाने पर छुट्टी कर दी गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश में नौकरियों में भर्ती के अलग-अलग दावे करते हैं। किन्हें नौकरी मिली और किन्हें नहीं इसका स्पष्ट ब्यौरा राज्य सरकार देने को तैयार नहीं। इन्वेस्टमेंट मीट में करोड़ों के एमओयू होने के दावे किए गए लेकिन कहीं कोई पूंजी निवेश नहीं हुआ। न नए उद्योग लगे न रोजगार बढ़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की नफरत और समाज को बांटने की राजनीति की सच्चाई जनता जान चुकी है। उसे अच्छी तरह मालूम है कि भाजपा के वादे केवल धोखा ही रहते हैं। भाजपा के नेता जुमलेबाजी में माहिर हैं और लोगों को झूठे सपने दिखाकर बहलाते है।

योगी सरकार की लाठियों से नहीं डरेंगे युवा : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कांग्रेस महासचिव ने बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षक भर्ती के मामले को अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लगातार जारी है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 2016 के 12460 शिक्षक भर्ती के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों की तस्वीर ट्वीट करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया है। प्रियंका ने ट्वीट करके कहा कि वे उत्तरप्रदेश सरकार की लाठियों से डर नहीं रही हैं मैं युवाओं के रोजगार के हक की लड़ाई के साथ हूं और उनकी मांग का समर्थन करती हूं।

दरअसल शिक्षक भर्ती में अनियमितताओं को लेकर प्रियंका आए दिन योगी सरकार पर निशाना साध रही है। कांग्रेस की यूपी प्रभारी ने ट्वीट किया, भाजपा वाले बार-बार लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे पर इस लिए हमला करते हैं, क्योंकि लड़कियां अपने रोजगार के हक के लिए लड़ रही हैं। बता दें कि 2016 में 12460 शिक्षक भर्ती में शून्य जनपद के अभ्यर्थी अब तक नियुक्ति से वंचित हैं। इस शिक्षक भर्ती विज्ञापन में 51 जिलों में पद थे, लेकिन 24 जिलों में पद शून्य थे। पिछले 3 साल से शून्य जनपद वाले अभ्यर्थी कोर्ट-कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से बीते साल बातचीत करके उन्हें मदद करने का भरोसा दिया था।

यूपी अब भयमुक्त, डबल इंजन सरकार का काम उपयुक्त : अनुराग

» लखनऊ में केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के बीते पांच वर्ष के कार्यकाल का खाका केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने खींचा। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण तथा सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर राजधानी लखनऊ में दूरदर्शन के कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे।

प्रदेश की सरकार के कामकाज के साथ ही विकास कार्य और प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में शानदार विकास कार्य को को देखने के बाद तो रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले भी अब मंदिर जाने लगे हैं। यहां पर जिन्होंने रामभक्तों पर गोली चलाने का काम किया, मंदिरों में विस्फोट करवाने का काम किया और आतंकियों के मुकदमे वापस लेने का काम किया वही लोग आज मंदिर बनाने की बात कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र में ईमानदार सरकार देने का कार्य पीएम मोदी ने किया है तो प्रदेश में यह काम योगी आदित्यनाथ ने किया है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी भी कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी ही उपयोगी है। उन्होंने कहा कि देश के गरीब का पैसा किसने मारा। उसके खिलाफ केन्द्र सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है।

योगी के मंत्री नंदी बोले
पता है, अधिकारी नहीं सुनते हैं लेकिन हम काम कराएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। अधिकारियों के पास जब जाते हैं तो वह पूरी तरह से बात नहीं सुनते उनका ध्यान कहीं और रहता है लेकिन हम अधिकारियों को साथ में बैठाकर आपकी समस्याओं को दूर कराएंगे।

यह बात प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने कानपुर में कही। वह पनकी स्थित आईआईए भवन में उद्यमियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस मौके पर उद्यमियों ने उन्हें अपनी समस्याएं बताईं। उद्यमियों ने शिकायत कीं कि अधिकतर विभागों में ज्यादातर अधिकारी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं देते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि वह उनके पास आएं, अधिकारियों को बुलाकर बैठाया जाएगा और सभी समस्याएं हल होंगी।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री मेनन संक्रमित फिर भी फ्लाइट से गए दिल्ली

लखनऊ(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री और गोरखपुर क्षेत्र के चुनाव प्रभारी अरविंद मेनन, पूर्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा सांसद शिव प्रताप शुक्ला व एसपी सिटी सोनम कुमार, एम्स के एमबीबीएस के पांच छात्र सहित 57 नए कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। अरविंद मेनन रजही में आयोजित प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल की बैठक में शामिल हुए थे। भाजपा नेताओं के साथ मंच भी साझा किया था। कोरोना के हल्के लक्षण मिलने के बाद 50 वर्षीय अरविंद ने कोरोना जांच के लिए सैंपल दिया था। बावजूद इसके रिपोर्ट का इंतजार नहीं किया। शाम छह बजकर 50 मिनट पर गोरखपुर एयरपोर्ट से फ्लाइट से नई दिल्ली चले गए। सवाल है कि संक्रमण के बाद भी एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश कैसे मिल गया? फ्लाइट में बैठने से पहले भाजपा नेता की जांच क्यों नहीं की गई? अरविंद का पता सांसद कार्यालय दिया गया है।

पंजाब : आप के इम्तिहान में मान पास

सर्वे में 70 फीसदी लोगों ने माना पहली पसंद, पंजाब में हो सकते हैं पार्टी का सीएम चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2022 के चुनावी रण में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने को लेकर आम आदमी पार्टी काफी दबाव में है। पार्टी विधायकों सहित कार्यकर्ता चुनाव में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने की मांग कर चुके हैं। ऐसे में पार्टी द्वारा हाल ही में कराए गए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सर्वे में सांसद और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भगवंत मान को पंजाब ने पास कर दिया है। दूसरे नंबर पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे हरपाल सिंह चीमा को वोट किया है।

सर्वे में आए इन परिणामों के बाद आप मान को मुख्यमंत्री चेहरा जल्द घोषित कर सकती है। 2017 के चुनाव में आप बगैर मुख्यमंत्री चेहरे के उतरी थी, जिसका उसका खामियाजा हार के साथ भुगतना पड़ा था। यही कारण है कि इस चुनाव में आप पर मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर काफी दबाव है। आप के अधिकांश विधायकों द्वारा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सुझाव भी दिया गया कि बिना मुख्यमंत्री चेहरे 2022 के चुनाव में उतरना बुद्धिमानी नहीं होगी। इन सबके के बीच पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से हाल ही में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर सर्वे कराया गया। इसमें भगवंत मान को 70 प्रतिशत लोगों ने मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पसंद किया है। नेता प्रतिपक्ष हरपाल सिंह चीमा को 30 प्रतिशत लोग पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं।

2017 में था 23.7 वोट प्रतिशत

पंजाब में पहली बार 2017 में आप ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में आप ने 20 सीटों पर विजय हासिल की थी। दूसरे नंबर पर रहने वाली आप को 23.7 प्रतिशत वोट प्रतिशत हासिल हुआ था। कांग्रेस ने 77 सीटों पर विजय हासिल कर सत्ता हासिल की थी। आप ने हाल ही में चंडीगढ़ फतेह कर लिया है। नगर निकाय चुनाव में आप ने 35 में से सर्वाधिक 14 सीटें हासिल की हैं। सत्तासीन भाजपा मात्र 12 सीटों पर सिमट गई है। कांग्रेस को सिर्फ 8 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।